



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4

PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 237]

नई दिल्ली, शुक्रवार, दिसम्बर 4, 2009/अग्रहायण 13, 1931

No. 237]

NEW DELHI, FRIDAY, DECEMBER 4, 2009/AGRAHAYANA 13, 1931

भारतीय रिज़र्व बैंक

(सरकारी और बैंक लेखा विभाग)

(केंद्रीय कार्यालय)

अधिसूचना

मुम्बई, 2 दिसम्बर, 2009

सहायक सामान्य खाता बही : पात्रता मानदंड और परिचालन-दिशानिर्देश

सरकारी प्रतिभूति अधिनियम, 2006 (2006 का 38) की धारा 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारतीय रिज़र्व बैंक (रिज़र्व बैंक) सहायक सामान्य लेजर (एसजीएल) खाता खोलने एवं रखने के लिए निम्नलिखित शर्तें एवं सीमाएं निर्दिष्ट करता है।

**I. पात्रता मानदंड :**

निम्नलिखित संस्थाएं रिज़र्व बैंक में एसजीएल खाता खोलने एवं रखने हेतु पात्र हैं :

- (i) भारतीय रिज़र्व बैंक अधिनियम, 1934 (1934 का 2) की द्वितीय अनुसूची में फिलहाल शामिल बैंक।
- (ii) प्राथमिक व्यापारी।
- (iii) केंद्र सरकार।
- (iv) राज्य सरकारें।
- (v) बीमा विनियामक एवं विकास प्राधिकरण द्वारा विनियमित बीमा कंपनियां।
- (vi) भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड द्वारा विनियमित पारस्परिक निधियां।
- (vii) भारतीय रिज़र्व बैंक अधिनियम, 1934 (1934 का 2) की धारा 45-I (सी) (ii) के अनुसार यथा परिभाषित वित्तीय संस्थाएं।
- (viii) सरकारी प्रतिभूतियों में 500 करोड़ रुपए या उससे अधिक राशि का निवेश रखने वाली भविष्य एवं पेंशन निधियां।
- (ix) पूर्व अनुमोदन प्राप्त विदेशी केन्द्रीय बैंक।
- (x) पेंशन निधि विनियामक और विकास प्राधिकरण द्वारा विनियमित पेंशन निधि प्रबंधक।

**2. इसके अलावा, निम्नलिखित संस्थाएं भी बैंक में एसजीएल खाता खोल एवं रख सकती हैं :**

- (क) नेशनल सिक्यूरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड।
- (ख) सेंट्रल डिपॉजिटरी सर्विसेस (इंडिया) लिमिटेड।
- (ग) स्टॉक होल्डिंग कार्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड।
- (घ) भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा समय-समय पर यथा अनुमोदित अन्य संस्थाएं।

## II. एसजीएल खाता खोलने एवं रखने के लिए शर्तें:

1. कोई पात्र संस्था एक ही एसजीएल खाता खोलेगी एवं बनाए रखेगी, जब तक कि उसे भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा कोई अतिरिक्त एसजीएल खाता खोलने की विशेष अनुमति नहीं दी जाती।
2. कोई भी एसजीएल खातेदार किसी ग्राहक की सहायक सामान्य खाता बही (सीएसजीएल) खातेदार के पास एसजीएल खाता खोलने के लिए पात्र नहीं होगा। तथापि, कोई एसजीएल खातेदार निक्षेपागार सहभागी के माध्यम से निक्षेपागार में अमूर्तीकृत खाता रिज़र्व बैंक द्वारा अनुमोदित प्रयोजनों के लिए खोल एवं रख सकता है। साथ ही, भारतीय रिज़र्व बैंक के पास एसजीएल खाता रखनेवाला खातेदार नियामक / मार्जिन के प्रयोजन के लिए कतिपय संस्थाओं के पास ग्राहकों का खाता खोल सकता है, बशर्ते कि भारतीय रिज़र्व बैंक से इस प्रयोजन हेतु विशिष्ट अनुमोदन प्राप्त कर लिया गया हो।
3. एक एसजीएल खाते से दूसरे एसजीएल/सीएसजीएल खाते में सरकारी प्रतिभूतियों के मूल्य मुक्त अंतरण (वीएफटी) की अनुमति भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा मामला-दर-मामले के आधार पर निक्षेपगारों के साथ स्वयं के डिमैट खाते में प्रतिभूतियों के अंतरण अथवा मार्जिन अपेक्षा संबंधी प्रतिभूतियों के अंतरण अथवा भारतीय समाशोधन निगम लिमिटेड के संपाश्वीकृत उधार और ऋणदायी परिचालनों अथवा समय समय पर रिज़र्व बैंक द्वारा यथा अनुमोदित अन्य किसी प्रयोजनों के लिए दी जा सकती है।
4. एसजीएल खातेदार भारतीय समाशोधन निगम लिमिटेड द्वारा समय-समय पर यथा अनुमोदित किसी निर्दिष्ट निपटान बैंक के पास एक निपटान खाता रखेगा ताकि रिज़र्व बैंक एसजीएल खाते से संबंधित लेनदेनों की निधियों का निपटान कर सके। इस प्रयोजन के लिए एसजीएल खातेदार को रिज़र्व बैंक में इस शर्त के अधीन एक चालू खाता या आरटीजीएस निपटान खाता रखने की अनुमति दी जा सकती है कि इसके लिए मौजूदा नीति के अनुसार रिज़र्व बैंक का विशेष अनुमोदन प्राप्त कर लिया गया हो।
5. एसजीएल खाता खोलने वाली संस्था एक आवेदन पत्र, क्षतिपूर्ति बांड एवं बैंक द्वारा समय-समय पर लिए गये निर्णयानुसार अन्य दस्तावेज़, जिनमें संबंधित नियामक का अनुमोदन भी शामिल है, भी प्रस्तुत करेगी।
6. भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा समय-समय पर लिए जाने वाले निर्णयानुसार रिज़र्व बैंक के लोक ऋण कार्यालयों में एसजीएल खाता खोला जा सकता है।

7. खातेदारों द्वारा एसजीएल खाता बंद किया जा सकता है जिसके लिए उन्हें खाता बंद करने का/के कारण एवं संबंधित एसजीएल खाते में धारित सरकारी प्रतिभूतियों के संबंध में रिज़र्व बैंक द्वारा अपेक्षित कार्रवाई, यदि कोई हो, का उल्लेख करते हुए आवेदन पत्र प्रस्तुत करना होगा।
8. एसजीएल खाते की सुविधा का किसी भी प्रकार का दुरुपयोग सरकारी प्रतिभूति अधिनियम, 2006 (2006 का 38) की धारा 27 के अंतर्गत दंडनीय होगा।

एच. आर. खान, कार्यपालक निदेशक

[ विज्ञापन-III/4/38/09/असा. ]

**RESERVE BANK OF INDIA**

(Department of Government and Bank Accounts)

(CENTRAL OFFICE)

**NOTIFICATION**

Mumbai, the 2nd December, 2009

**Subsidiary General Ledger Account: Eligibility Criteria and Operational Guidelines**

In exercise of the powers conferred by section 4 of the Government Securities Act, 2006 (38 of 2006), the Reserve Bank of India (Bank) specifies below the conditions and restrictions for opening and maintenance of a subsidiary general ledger (SGL) account.

**I. Eligibility Criteria:**

The entities mentioned below are eligible to open and maintain a SGL account with the Bank:

- (i) A bank included for the time being in the Second Schedule to the Reserve Bank of India Act, 1934 (2 of 1934).
- (ii) Primary Dealers.
- (iii) Central Government.
- (iv) State Governments.
- (v) Insurance Companies regulated by the Insurance Regulatory and Development Authority.
- (vi) Mutual Funds regulated by the Securities & Exchange Board of India.
- (vii) Financial Institutions as defined in terms of section 45-I (c) (ii) of the Reserve Bank of India Act, 1934 (2 of 1934).

- (viii) Provident and Pension Funds having investment in Government securities of Rs. 500 crores or more.
  - (ix) Foreign Central Banks with prior approval.
  - (x) Pension Fund Managers regulated by the Pension Fund Regulatory and Development Authority.
2. Additionally, the entities mentioned below can also open and maintain a SGL account with the Bank.
- (a) National Securities Depository Limited.
  - (b) Central Depository Services (India) Limited.
  - (c) Stock Holding Corporation of India Limited.
  - (d) Such other entities as approved by the Reserve Bank from time to time.

## **II. Conditions for opening & maintenance of the SGL account:**

1. An eligible entity shall open and maintain only one SGL account unless specifically allowed by the Reserve Bank of India to open an additional SGL account.
2. An SGL account holder shall not be eligible to open a constituent account with any Constituents' Subsidiary General Ledger (CSGL) account holder. An SGL account holder can however open and maintain a dematerialized account with the Depositories through a Depository Participant for purposes as may be approved by the Bank. Further, an SGL account holder with the Reserve Bank can open a constituent account with certain entities for regulatory/margin purpose subject to obtaining specific approval from the Reserve Bank for the purpose.
3. Value Free Transfer (VFT) of Government securities from one SGL account to another SGL/CSGL account may be allowed by the Reserve Bank, on a case to case basis, towards transfer of securities to own demat account with the depositories or transfer of securities pertaining to margin requirement or the Collateralised Borrowing & Lending Operations of the Clearing Corporation of India Ltd (CCIL) or for any other purpose as may be approved by the Bank from time to time.
4. The SGL account holder shall maintain a settlement account with any designated settlement bank, as approved by the CCIL from time to time, to enable the Reserve Bank to settle the funds in respect of transactions pertaining to the SGL account. The SGL account holder may be allowed to maintain a current account or RTGS settlement account with the Reserve Bank for this purpose subject to obtaining specific approval of the Reserve Bank as per the extant policy.

5. The entity opening a SGL account shall submit an application form, indemnity bond and such other documents, including approval of the concerned regulator, as may be decided by the Bank from time to time.
6. The SGL account can be opened at the Public Debt Offices of the Bank as may be decided by the Reserve Bank from time to time.
7. The SGL account can be closed by the account holders by submitting a request letter mentioning therein the reason (s) for closure and the action, if any, required to be taken by the Reserve Bank in respect of the Government securities held in such SGL account.
8. Any misuse of the SGL account facility will attract penal action in terms of section 27 of the Government Securities Act, 2006 (38 of 2006).

H. R. KHAN, Executive Director  
[ADVT III/4/38/09-Exty.]

#### अधिसूचना

मुम्बई, 2 दिसम्बर, 2009

ग्राहकों की सहायक सामान्य खाता बही : पात्रता मानदंड और परिचालन दिशानिर्देश

सरकारी प्रतिभूति अधिनियम, 2006 (2006 का 38) की धारा 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारतीय रिज़र्व बैंक (रिज़र्व बैंक) ग्राहकों का सहायक सामान्य लेजर (सीएसजीएल) खाता खोलने और रखने की शर्तों एवं सीएसजीएल खातेदारों द्वारा अपने ग्राहकों के हित की रक्षा करने के लिए रखे जानेवाले अभिलेखों एवं अपनाई जाने वाली कार्यविधि को एतद्वारा विनिर्दिष्ट करता है।

#### 1. पात्रता मानदंड:

निम्नलिखित संस्थाएं रिज़र्व बैंक में अपने ग्राहकों अर्थात् श्रेष्ठ प्रतिभूति खातेदारों (जीएच) की तरफ से सीएसजीएल खाता खोलने एवं रखने के लिए पात्र हैं:

- i) अनुसूचित वाणिज्य बैंक
- ii) ऐसे अनुसूचित शहरी सहकारी बैंक जिनकी निवल मालियत 200 करोड़ रुपये या उससे अधिक है एवं सीआरएआर 10% और अधिक है और जो उन राज्य सरकारों के हैं जिन्होंने भारतीय रिज़र्व बैंक के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये हैं।
- iii) अनुसूचित राज्य सहकारी बैंक जिनकी निवल मालियत 100 करोड़ रुपये या अधिक है।
- iv) प्राथमिक व्यापारी

बशर्ते कि उपरोक्त संस्थाएं भारतीय रिज़र्व बैंक के संबंधित नियामक विभाग से इस आशय का अनापत्ति प्रमाण-पत्र हासिल करें कि वे उपरोक्त पात्रता मानदंड (जो भी लागू हो) को पूरा करती हैं एवं बैंक को कोई विनियामक/पर्यवेक्षी असुविधा नहीं है।

2. इसके अतिरिक्त, निम्नलिखित संस्थाओं को भी बैंक में सीएसजीएल खाता खोलने एवं रखने की अनुमति है:

- (क) नेशनल सिक्यूरिटीज़ डिपॉजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल)।
- (ख) सेंट्रल डिपॉजिटरी सर्विसेस (इंडिया) लिमिटेड (सीडीएसएल)।
- (ग) भारतीय समाशोधन निगम लिमिटेड या बैंक द्वारा यथा अनुमोदित अन्य समाशोधन निगम।
- (घ) भारतीय स्टॉक धारिता निगम लिमिटेड (एसएचसीआईएल)।
- (ङ.) राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक।
- (च) रिज़र्व बैंक द्वारा समय-समय पर यथा अनुमोदित अन्य संस्थाएं।

II. सीएसजीएल खातेदारों द्वारा अनुपालन किए जाने हेतु परिचालन दिशानिर्देश:

1. सीएसजीएल खातेदार यह सुनिश्चित करेंगे कि जिन ग्राहकों के लिए श्रेष्ठ प्रतिभूति खाता खोला/रखा गया है, वे सरकार द्वारा जारी सामान्य ऋण अधिसूचनाओं एवं विशिष्ट ऋण अधिसूचनाओं के अनुसार सरकारी प्रतिभूतियां धारित करने के लिए पात्रता की शर्तें पूरी करते हैं।
2. सीएसजीएल खातेदार अपने श्रेष्ठ प्रतिभूति खातेदारों के संबंध में भारतीय रिज़र्व बैंक के बैंकिंग परिचालन एवं विकास विभाग/शहरी बैंक विभाग/ग्रामीण आयोजना एवं ऋण विभाग द्वारा जारी समय-समय पर यथा लागू 'अपने ग्राहक को जानिए' (केवाईसी) संबंधी दिशानिर्देशों का पालन करेंगे।
3. कोई ग्राहक सीएसजीएल खातेदारों में से किसी एक के पास विशिष्ट खाता संख्या वाला एक ही श्रेष्ठ प्रतिभूति खाता खोलने के लिए पात्र है। तदनुसार, सीएसजीएल खातेदार ग्राहक की तरफ से खाता खोलने के पूर्व उससे इस संबंध में एक घोषणा पत्र प्राप्त करें। तथापि, कोई ग्राहक निक्षेपागारों में निक्षेपागार सहभागियों (डीपी) के माध्यम से अतिरिक्त अभौतिक (डिमेट) खाता रिज़र्व बैंक द्वारा अनुमोदित प्रयोजनों के लिए खोल एवं रख सकता है।
4. सीएसजीएल खातेदारों के पास खातों को रखने एवं अपने ग्राहकों की तरफ से व्यापार करने के लिए सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) की पर्याप्त बुनियादी सुविधा होनी चाहिए और व्यवसाय निरंतरता के लिए आकस्मिक/बैंक-अप योजना भी होनी चाहिए। सूचना प्रौद्योगिकी सुविधाओं की प्रमाणित व्यावसायिकों द्वारा हर साल सूचना प्रणाली (आईएस) लेखापरीक्षा की जाएगी एवं उनके द्वारा की गई टीका-टिप्पणियों का तत्काल अनुपालन किया जाएगा।
5. सीएसजीएल खातेदार, ग्राहकों के साथ एक करार निष्पादित करेंगे जिसमें वे स्पष्ट रूप से इस बात का उल्लेख करेंगे कि किन परिस्थितियों में वे ग्राहकों की तरफ से प्रतिभूतियों को स्वीकार/विमोचित करेंगे एवं निधियों को स्वीकार/ विमोचित करेंगे। साथ ही, उसमें ग्राहकों के अधिकार एवं दायित्व तथा उन्हें उपलब्ध शिकायत निवारण प्रणाली का उल्लेख भी होगा।

6. सीएसजीएल खातेदार यह सुनिश्चित करेंगे कि ग्राहकों से संबंधित व्यापार/लेनदेन, संबंधित ग्राहकों के अनुदेशों के अनुसार किये जाते हैं और वे अपने ग्राहकों से प्राप्त ऐसे अनुदेशों का उपयुक्त रिकार्ड भी रखेंगे। तदनुसार, सीएसजीएल खातेदार ग्राहकों से लिखित रूप से सहमति प्राप्त किये बिना उनके द्वारा देय किसी भी राशि को आंशिक रूप से अथवा पूर्ण रूप से चुकाने के लिए सीएसजीएल खाते में धारित सरकारी प्रतिभूतियों का समंजन अथवा अन्यथा लेनदेन नहीं करेगा।
7. सीएसजीएल खातेदार सीएसजीएल खाते से/में सरकारी प्रतिभूतियों की आवाजाही के लिए उत्तरदायी होगा और ग्राहक या रिज़र्व बैंक द्वारा मांगे जाने पर सिस्टम सृजित ऑडिट ट्रेल प्रदान करेगा।
8. सीएसजीएल खातेदार लेनदेन की तारीख को संबंधित ग्राहकों की ओर से पूरे किये गये प्रत्येक क्रय/विक्रय लेन-देन के लिए एक सौदा पर्ची जारी/पोस्ट करेगा जिसमें आइएसआइएन, लिखत का नाम, क्रय/विक्रय की मात्रा, क्रय/विक्रय का मूल्य, सेवा प्रभार आदि ब्यौरा दिया जाएगा। साथ ही, सीएसजीएल खातेदार, करार के अनुसार तथा ग्राहकों के विशेष अनुरोध पर, प्रत्येक ग्राहक को सरकारी प्रतिभूतियों का बकाया/लेनदेन ब्योरा दर्शाते हुए नियमित रूप से विवरण भेजेगा तथा ग्राहकों से शेष की पुष्टि का प्रमाणपत्र प्राप्त करेगा।
9. सीएसजीएल खातेदार ग्राहकों के निधि खाते में देय तारीख को ही ब्याज/मोचन की राशि जमा करेगा और तत्संबंधी उपयुक्त रिकार्ड सत्यापन के लिए रखेगा।
10. सीएसजीएल खातेदार, ग्राहकों की ओर से पूरे किये गये प्रत्येक लेनदेन के निपटान के लिए जिम्मेदार होगा और प्रतिभूतियों/निधियों की किसी भी कमी को सीएसजीएल खातेदार के विरुद्ध एसजीएल सौदा बाउन्सिंग के मामले के रूप में माना जाएगा। साथ ही, सीएसजीएल खातेदार ग्राहकों की ओर से कोई भी सौदा प्रस्तुत करने से पहले यह सुनिश्चित करेगा कि संबंधित ग्राहक ऐसे लेन-देन/सौदे में भाग लेने के लिए भारतीय रिज़र्व बैंक के अद्यतन दिशानिर्देशों के अनुसार पात्र है।
11. सीएसजीएल खातेदारों के पास उनके बोर्ड द्वारा विधिवत अनुमोदित एक अच्छी तरह से प्रलेखित परिचालन मैनुअल होगा जिसमें ग्राहकों की ओर से उपयुक्त ढंग से व्यापार सुनिश्चित करने के लिए डीलरों/मिड-ऑफिस/बैंक-ऑफिस की भूमिकाओं/जिम्मेदारियों और परिणामी नियंत्रण और संतुलन का स्पष्ट उल्लेख होगा ताकि ऐसे अभिरक्षात्मक कारोबार से सीएसजीएल खातेदार एवं उसके ग्राहकों को होने वाली किसी भी जोखिम को कम किया जा सके।
12. सीएसजीएल खातेदार अपने सीएसजीएल खाते में बकाया शेषों का समाधान अपने पास रखी ग्राहकवार धारिता के ब्योरे की तुलना में पीडीओएनडीएस डेटा के अनुसार सुनिश्चित करेंगे। बकाया शेषों में यदि कोई असंतुलन पाया गया तो उसे

पीडीओएनडीएस हेल्प डेस्क, डीआईटी और पीडीओ, मुंबई को तत्काल सूचित किया जाएगा ताकि अगले दिनांत से पहले बकाया शेषों का समाधान सुनिश्चित किया जा सके।

13. सीएसजीएल खातेदारों को चाहिए कि वे अपने सीएसजीएल खाते के परिचालनों एवं अपने ग्राहकों के श्रेष्ठ प्रतिभूति खातों में होने वाले लेन-देनों को संगामी लेखापरीक्षकों की परिवीक्षा के अधीन लाएं जो अन्य बातों के साथ-साथ सीएसजीएल खातों में लेन-देनों के निम्नलिखित पहलुओं की जांच कर अभिमत देंगे:

- i) ग्राहकों का खाता खोलने के लिए पूरा प्रलेखीकरण;
- ii) सीएसजीएल खाते में प्रत्येक लेन-देन संबंधित ग्राहक द्वारा प्राधिकृत है और खरीदी/बेची गई प्रतिभूतियों को नियत तारीख को ग्राहकों के श्रेष्ठ प्रतिभूति खाते में जमा किया गया है/नामे डाला गया है;
- iii) ग्राहकों की ओर से किए गए प्रत्येक लेन-देन के लिए उन्हें समय पर जमा/नामे सूचनाएं जारी करना।
- iv) सीएसजीएल खाते में बकाया शेष का ग्राहक-वार धारिता ब्यौरे के साथ दैनिक समाधान;
- v) ग्राहकों से छमाही आधार पर शेष की पुष्टि का प्रमाण-पत्र प्राप्त करना;
- vi) ग्राहकों के निधि खाते में नियत तारीख को ब्याज/मोचन आय को जमा किया जाता है, और
- vii) यह सुनिश्चित करना कि भारतीय रिज़र्व बैंक के अद्यतन दिशानिर्देशों के अनुसार ग्राहक सौदा/लेन-देन करने के लिए पात्र था और सौदे का मूल्य प्रचलित बाजार दरों के अनुरूप है।

14. सीएसजीएल खातेदार सूचना प्रणाली लेखापरीक्षा रिपोर्ट एवं सीएसजीएल खाते से संबंधित संगामी लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट बोर्ड की लेखापरीक्षा समिति को तिमाही आधार पर या इससे कम अवधि के अंतरालों में प्रस्तुत करेंगे। सीएसजीएल खातेदार इसकी पुष्टि करते हुए कि लेखा परीक्षा संबंधी टीका-टिप्पणियों के अनुपालन और उनके द्वारा किये गये दैनिक समाशोधन कार्य का ब्यौरा बोर्ड की लेखा परीक्षा समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया है, एक तिमाही प्रमाण पत्र भारतीय रिज़र्व बैंक के संबंधित विनियामक विभाग को प्रस्तुत करें और ऐसे रिकार्ड को रिज़र्व बैंक के निरीक्षण दल को अवलोकनार्थ उपलब्ध कराएं। तथापि, एनएसडीएल, सीडीएसएल, एसएचसीआईएल और अन्य ऐसी संस्थाओं के मामले में जिनका विनियमन भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा नहीं किया जाता है, अनुपालन प्रमाण-पत्र पीडीओ को प्रस्तुत किया जाए।



15. सीएसजीएल खातेदार अनुबंध-I के अनुसार अपने ग्राहकों के बीच एवं सीएसजीएल खातेदारों और ग्राहक के बीच किए गए लेन-देनों का विवरण देते हुए साप्ताहिक आधार पर मुख्य महाप्रबंधक, भारतीय रिज़र्व बैंक, वित्तीय बाजार विभाग, केंद्रीय कार्यालय, 23वीं मंजिल, फोर्ट, मुंबई-400001 (ई-मेल आईडी: [cgmfmnd@rbi.org.in](mailto:cgmfmnd@rbi.org.in)) को एक इलैक्ट्रॉनिक विवरण प्रस्तुत करेंगे। इसके अलावा, सीएसजीएल खातेदार वित्तीय बाजार विभाग को ग्राहकों के खातों में हुए ऐसे समस्त लेन-देनों को शामिल करते हुए एक 'अपवाद रिपोर्ट' को प्रस्तुत करेगा, जो बाजार दरों से अलग दरों पर अर्थात् किसी भी दिशा में तीन मानक व्यतिक्रमों से अधिक दरों पर किये गये हैं। इस प्रकार की सूचना को जनरेट करने के लिए यदि पहले ही सक्षम सिस्टम विकसित नहीं किया गया है तो ऐसा किया जाए।
16. सीएसजीएल खातेदार अनुबंध II और III के अनुसार इलैक्ट्रॉनिक रूप से मुख्य महाप्रबंधक, भारतीय रिज़र्व बैंक, आंतरिक ऋण प्रबंध विभाग, केंद्रीय कार्यालय, 23वीं मंजिल, फोर्ट, मुंबई-400001 (ई-मेल आईडी: [cgmimdm@rbi.org.in](mailto:cgmimdm@rbi.org.in)) को तिमाही आधार पर 31 मार्च, 30 जून, 30 सितम्बर और 31 दिसम्बर को यथा विद्यमान ग्राहक-वार धारिता विवरण अगली तिमाही के पहले सप्ताह तक प्रस्तुत करेगा।
17. ऐसे बैंक जो सीएसजीएल खातेदार हैं, अपने ही निवेशों एवं दलालों सहित अपने ग्राहकों की ओर से किये गये निवेशों के संबंध में हर साल 31 मार्च तथा 30 सितम्बर की स्थिति के अनुसार भारतीय रिज़र्व बैंक के बैंकिंग पर्यवेक्षण विभाग/शहरी बैंक विभाग/ग्रामीण आयोजना और ऋण विभाग, जो भी लागू हो, के संबंधित केंद्रीय/क्षेत्रीय कार्यालयों को अर्धवार्षिक समीक्षा रिपोर्ट की प्रतियां प्रस्तुत करेंगे। प्राथमिक व्यापारी 31 मार्च तथा 30 सितम्बर की स्थिति के अनुसार अपनी अर्धवार्षिक समीक्षा रिपोर्ट आंतरिक ऋण प्रबंध विभाग, भारतीय रिज़र्व बैंक को प्रस्तुत करेंगे।
18. एक सीएसजीएल खाते से दूसरे एसजीएल/सीएसजीएल खाते में सरकारी प्रतिभूतियों के मूल्य मुक्त अंतरण (वीएफटी) की अनुमति भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा मामला-दर-मामले के आधार पर निक्षेपगारों के साथ स्वयं के डिमैट खाते में अंतरण अथवा मार्जिन अपेक्षा संबंधी प्रतिभूतियों के अंतरण अथवा भारतीय समाशोधन निगम लिमिटेड के संपाश्वीकृत उधार और ऋणदायी परिचालनों अथवा समय समय पर रिज़र्व बैंक द्वारा यथा अनुमोदित अन्य किसी प्रयोजनों के लिए दी जा सकती है। साथ ही, यदि कोई श्रेष्ठ प्रतिभूति खातेदार किसी सीएसजीएल खातेदार के पास रखे अपने खाते को बंद करके दूसरे सीएसजीएल खातेदार के पास एक नया श्रेष्ठ प्रतिभूति खाता खोलना चाहता है तो श्रेष्ठ प्रतिभूति खातेदार निम्नलिखित प्रलेखों को प्रस्तुत करते हुए एक सीएसजीएल खातेदार से दूसरे सीएसजीएल खातेदार को अपनी प्रतिभूतियों के ऐसे मूल्य मुक्त

अंतरण के लिए क्षेत्रीय निदेशक, भारतीय रिज़र्व बैंक, लोक ऋण कार्यालय, मुंबई के अनुमोदन के लिए अनुरोध कर सकता है:

- i) श्रेष्ठ प्रतिभूति खातेदार द्वारा इस आशय का अनुरोध पत्र कि उनके वर्तमान सीएसजीएल खातेदार के पास रखे सरकारी प्रतिभूतियों के समस्त शेष को मूल्य मुक्त आधार पर नये सीएसजीएल खातेदार को अंतरित किया जाए। इसके साथ एक सीएसजीएल खाते से दूसरे सीएसजीएल खातों में प्रतिभूतियों के अंतरण का अनुमोदन देते हुए श्रेष्ठ प्रतिभूति खातेदार (कंपनी के मामले में) के निदेशक बोर्ड द्वारा पारित संकल्प की प्रति संलग्न की जानी चाहिए।
  - ii) अंतरणकर्ता/अंतरिती सीएसजीएल खातेदार से ऐसी प्रतिभूतियों के जमा/नामे हेतु प्राप्त अनापति पत्र, और
  - iii) अंतरणकर्ता और अंतरिती द्वारा विधिवत हस्ताक्षरित एसजीएल अंतरण प्रपत्र इस बात का उल्लेख करते हुए एक घोषणा पत्र के साथ कि यह लेन देन एक ही श्रेष्ठ प्रतिभूति खातेदार के एक खाते से दूसरे खाते में प्रतिभूतियों के अंतरण के लिए है और इसमें कोई वित्तीय प्रतिफल शामिल नहीं है।
19. सीएसजीएल खाते की सुविधा का किसी भी प्रकार का दुरुपयोग सरकारी प्रतिभूति अधिनियम, 2006 (2006 का 38) की धारा 27 के अंतर्गत दंडनीय होगा।

एच. आर. खान, कार्यपालक निदेशक

[विज्ञापन III/4/38/09/असा.]

### अनुबंध -1

[illegible]

## अनुबंध - II

----- को समाप्त तिमाही के अनुसार श्रेष्ठ प्रतिभूति खातों में धारित भारत सरकार की प्रतिभूतियों के स्वामित्व का स्वरूप दर्शानेवाला विवरण						
सीएसजीएल खातेदार का नाम:						
सीएसजीएल खाता संख्या :						
क्र.सं.	निवेशक समूह	खातों की संख्या	धारित प्रतिभूतियों की राशि (अंकित मूल्य लाख रुपये में)			कुल धारित [अंकित मूल्य लाख रुपये में] (4) + (5) + (6)
			राज्य सरकार की प्रतिभूतियां	खज़ाना बिल	केंद्र सरकार की प्रतिभूतियां	
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
1	वाणिज्य बैंक					
2	राज्य/जिला मध्यवर्ती सहकारी बैंक					
3	शहरी सहकारी बैंक					
4	पारस्परिक निधियां					
5	बीमा कंपनियां					
6	वित्तीय संस्थाएं					
7	कंपनियां					
8	हिंदू अविभक्त परिवार/व्यक्ति					
9	एफआईआई					
10	भविष्य निधियां					
11	अन्य					
जोड़						

## अनुबंध - III

----- को समाप्त तिमाही के अनुसार श्रेष्ठ प्रतिभूति खातों में धारित भारत सरकार द्वारा जारी विशेष प्रतिभूतियों के स्वामित्व का स्वरूप दर्शानेवाला विवरण				
सीएसजीएल खातेदार का नाम:				
सीएसजीएल खाता संख्या:				
क्र.सं.	श्रेष्ठ प्रतिभूति खाता धारक का नाम	विशेष प्रतिभूतियों का प्रकार (तेल/उर्वरक/एफसीआई आदि)	लिखत का नाम (आईएसआईएन)	राशि (अंकित मूल्य लाख रुपये में)
जोड़ :				

## NOTIFICATION

Mumbai, the 2nd December, 2009

**Constituents' Subsidiary General Ledger Account: Eligibility Criteria and Operational Guidelines**

In exercise of the powers conferred by section 4 of the Government Securities Act, 2006 (38 of 2006), the Reserve Bank of India (Bank) hereby specifies the conditions for opening and maintenance of a constituents' subsidiary general ledger (CSGL) account as also the records to be maintained and procedures to be adopted by the CSGL account holders for safeguarding the interest of their constituents:-

**I. Eligibility Criteria:**

The entities mentioned below are eligible to open and maintain a CSGL account with the Bank on behalf of their constituents, i.e., Gilt Account Holders (GAHs):

- Scheduled commercial banks.
- Scheduled urban co-operative banks with networth of Rs. 200.00 crores or more and CRAR of 10% & above and belonging to the States which have signed MOU with the Reserve Bank of India.
- Scheduled State co-operative banks with networth of Rs. 100.00 crores or more.
- Primary Dealers.

*Provided that the above entities obtain a no-objection certificate from the concerned regulatory department of the Reserve Bank of India to the effect that they meet the above eligibility criteria (as applicable) and that the Bank has no regulatory/supervisory discomfort.*

2. Additionally, the entities mentioned below may also open and maintain a CSGL account with the Bank:

- (a) National Securities Depository Limited (NSDL).
- (b) Central Depository Services (India) Limited (CDSL).
- (c) Clearing Corporation of India Limited or other Clearing Corporations as may be approved by the Bank.
- (d) Stock Holding Corporation of India Limited (SHCIL).
- (e) National Bank for Agriculture and Rural Development.
- (f) Such other entities as may be approved by the Bank from time to time.

## **II. Operational Guidelines to be complied with by the CSGL Account holders:**

1. The CSGL account holders shall ensure that the constituents for whom the gilt account is opened / maintained satisfy the eligibility conditions for holding Government securities in terms of the General Loan Notifications as also the specific Loan Notifications issued by the Government.
2. The CSGL account holders shall follow guidelines on 'Know Your Customer' (KYC) issued by the Department of Banking Operations and Development/Urban Banks Department/Rural Planning and Credit Department of the Reserve Bank, as applicable from time to time, in respect of their GAHs.
3. A constituent is entitled to open only one gilt account having an unique account number with any one of the CSGL account holders. Accordingly, CSGL account holders may obtain a declaration towards the same before opening an account on behalf of the constituent. A constituent may however additionally open and maintain a dematerialized account with the Depositories through Depository Participants (DPs) for purposes as may be approved by the Bank.
4. The CSGL account holders must have appropriate Information Technology (IT) infrastructure to maintain accounts and put deals on behalf of their constituents with adequate contingency/back-up plan to ensure business continuity. The IT infrastructure shall be subject to information system (IS) audit by certified professionals every year and any observations made by them shall be immediately complied with.
5. The CSGL account holders shall execute an agreement with the constituents, which shall categorically mention the circumstances under which they will accept/release

- securities and accept/release funds on behalf of the constituents as also the rights and obligations of the constituents and the grievance redressal mechanism available to the constituents.
6. The CSGL account holders shall ensure that deals/transactions pertaining to constituents are put through according to the instructions of the concerned constituents and maintain appropriate record of such instructions received from their constituents. Accordingly, the CSGL account holder shall refrain from setting off Government securities in the CSGL account or otherwise deal with them to extinguish partly or fully any amounts due to it from the constituents without written consent from the constituents.
  7. The CSGL account holder shall be accountable / responsible for the movement of Government securities from/to the CSGL account and shall provide system generated audit trail, whenever called for by the constituent or the Reserve Bank.
  8. The CSGL account holders shall issue/post a deal slip for each buy/sell transaction put through on behalf of the concerned constituents on the transaction date itself mentioning therein the details of the deal, such as, ISIN, instrument nomenclature, buy/sell quantity, buy/sell price, service charges, etc. Further, the CSGL account holder shall send regular statements mentioning the outstanding/transaction details of Government securities to each constituent as per the agreement as also at the specific request of the constituents and obtain a balance confirmation certificate from the constituents.
  9. The CSGL account holder shall credit the constituents' fund account with the due amount of interest/redemption proceeds on due date itself and maintain appropriate record of the same for verification.
  10. The CSGL account holder shall be responsible for settlement of each deal put through on behalf of the constituents and any shortfall in securities/funds will be treated as a case of SGL deal bouncing against the CSGL account holder. Further, the CSGL account holder, before submitting any deals on behalf of the constituents, shall ensure that the particular constituent is eligible, as per the latest RBI guidelines, for entering into such transactions/deals.
  11. The CSGL account holders shall have a well documented operational manual, duly approved by their Board, highlighting the roles/responsibilities of the dealers/mid-office/back-office and the resultant checks and balances to ensure proper dealings on

behalf of the constituents so as to mitigate any risk arising out of such custodial business to the CSGL account holder as also to the constituents.

12. The CSGL account holders shall ensure daily reconciliation of outstanding balances in their CSGL account as per the PDONDS data vis-à-vis the constituent-wise holding details maintained by them. Any mismatch in the outstanding balances shall be immediately brought to the notice of PDONDS Helpdesk, DIT and Public Debt Office, Mumbai (PDO) to ensure reconciliation of balances before next day-end.

13. The CSGL account holders must put the operations of their CSGL account as also the transactions in the gilt accounts of their constituents under the purview of their Concurrent Auditors, who shall verify and comment, inter-alia, upon the following aspects of CSGL account transactions:

- i) Complete documentation for opening of the constituent account;
- ii) Each transaction in the CSGL account is authorized by the concerned constituent and the securities bought/sold have been credited/debited to the constituents' gilt account on due date;
- iii) Timely issue of debit/credit advices to the constituents for each transaction put through on their behalf;
- iv) Daily reconciliation of the outstanding balances in the CSGL account vis-à-vis the constituent-wise holding details;
- v) Receipt of balance confirmation certificates from the constituents on half-yearly basis;
- vi) Interest/Redemption proceeds are credited to the constituents' fund account on due date; and
- vii) Ensure that the constituent was eligible, as per latest RBI Guidelines, to put through the deal/transaction and that the deal price is in line with the prevailing market rates.

14. The CSGL account holders shall put up the information system audit report as also the concurrent auditor's report in respect of CSGL account to the Audit Committee of the Board on quarterly basis or at more frequent intervals. The CSGL account holder may

submit a quarterly certificate, confirming that the compliance of the audit observations as also daily reconciliation exercise carried out by them has been placed before the Audit Committee of the Board, to the regulatory department concerned of the Reserve Bank and make available such records to the inspection team of the Reserve Bank for their perusal. However, in case of non-RBI regulated entities such as NSDL, CDSL, SHCIL and others, the compliance certificate may be submitted to the PDO.

15. The CSDL account holders shall submit an electronic statement, as per Annex-I, mentioning details of transactions effected between its constituents as also between the CSDL account holders and the constituent to the Chief General Manager, Reserve Bank of India, Financial Markets Department, Central Office Building, 23<sup>rd</sup> Floor, Fort, Mumbai - 400001 (email id: [egmfmfd@rbi.org.in](mailto:egmfmfd@rbi.org.in)) on a weekly basis. In addition, the CSDL account holder shall also submit an 'exception report' incorporating all transactions involving constituent accounts that were carried out at off market rates, i.e., rates beyond three standard deviations either way to the Financial Markets Department. System capability to generate such information may be developed, if not already done.
16. The CSDL account holder shall submit constituent-wise holding details electronically, as per Annexes-II & III, to the Chief General Manager, Reserve Bank of India, Internal Debt Management Department, Central Office Building, 23<sup>rd</sup> Floor, Fort, Mumbai - 400001 (email id: [cgmidmd@rbi.org.in](mailto:cgmidmd@rbi.org.in)) on a quarterly basis as on 31<sup>st</sup> March, 30<sup>th</sup> June, 30<sup>th</sup> September & 31<sup>st</sup> December, by the 1<sup>st</sup> week of next quarter.
17. The banks, which are CSDL account holders, shall furnish copies of half-yearly review report as on 31<sup>st</sup> March and 30<sup>th</sup> September each year on their own investments as also on behalf of other constituents including brokers to the respective Central/Regional Offices of the Department of Banking Supervision/Urban Banks Department/Rural Planning & Credit Department of Reserve Bank of India, as the case may be. Primary Dealers shall furnish their half yearly review report as on 31<sup>st</sup> March and 30<sup>th</sup> September to the Internal Debt Management Department, Reserve Bank of India.



18. Value Free Transfer (VFT) of Government securities from one CSDL account to another SGL/CSDL account may be allowed by the Reserve Bank, on a case to case basis, towards transfer of securities to own demat account with the depositories or transfer of securities pertaining to margin requirement or the Collateralised Borrowing & Lending Operations of the Clearing Corporation of India Ltd or for any other purpose as may be approved by the Bank from time to time. Further, in case, a gilt account holder decides to close his gilt account with one CSDL account holder and open a new gilt account with another CSDL account holder then the GAH may seek approval from the Regional Director, RBI, Public Debt Office, Mumbai for such value free transfer of its securities from one CSDL account holder to another CSDL account holder by submitting the following documents:

- i) A request letter by the GAH to the effect that their entire Government securities balance with their existing CSDL account holder may be transferred to the new CSDL account holder on value free basis, together with a copy of the Resolution passed by the Board of Directors of the GAH (in case of a company), approving the transfer of securities from one CSDL account to another CSDL account;
- ii) 'No Objection' letter from the transferor/transferee CSDL account holder towards debit/credit of such securities; and
- iii) The SGL transfer form duly signed by the transferor and the transferee alongwith a declaration stating that the transaction is for transfer of securities from one account to another of the same GAH and it does not include any financial consideration.

19. Any misuse of the CSDL account facility will attract penal action in terms of section 27 of the Government Securities Act, 2006 (38 of 2006).

H. R. KHAN, Executive Director

[ADVT III/4/38/09-Exty.]

**Annex - I**

<b>Transactions undertaken between the CSGL Account holders and the Constituents and among the Constituents</b>								
<b>Sr. No.</b>	<b>Date of Transaction</b>	<b>ISIN Number</b>	<b>Instrument Nomenclature</b>	<b>Buyer Name</b>	<b>Seller Name</b>	<b>Amount</b>	<b>Price</b>	<b>Yield</b>

## Annex - II

Statement on Ownership Pattern of Government securities held in the Gilt Accounts as on Quarter ending _____						
Name of CSGL account holder: _____						
CSGL account number: _____						
Sr. No. [1]	Investor Group [2]	No. of accounts [3]	Amount of Securities held (Face Value in lakhs of Rupees)			Total Holding (Face Value in lakhs of Rupees) [4] + [5] + [6]
			State Government Securities [4]	T-Bills [5]	Central Government Securities [6]	
1	Commercial Banks					
2	State / Dist. Central Co-op Banks					
3	Urban Co-operative Banks					
4	Mutual Funds					
5	Insurance Companies					
6	Financial Institutions					
7	Corporates					
8	HUF / Individuals					
9	FIs					
10	Provident Funds					
11	Others					
Total						

**Annex - III**

<b>Statement on Ownership Pattern of Special Securities Issued by Govt held in the Gilt Accounts as on Quarter ending _____</b>				
<b>Name of CSGL account holder:</b>				
<b>CSGL account number:</b>				
<b>Sr. No.</b>	<b>Name of Gilt Account Holder</b>	<b>Type of Special Securities (Oil/Fertilizer/FCI etc.)</b>	<b>Instrument Nomenclature (ISIN)</b>	<b>Amount (Face Value in Rs. Lakh)</b>
<b>Total</b>				